सेंट एंड्रयूज स्कॉट्स स्कूल

एडजेसेंट नवनीतिअपार्टमेंट ,आई.पी.एक्सटेंशन,

पटपडगंज,दिल्ली - ११००९२

सत्र:- २०२५-२६

कक्षा:-8	**विषय: हिंदी पाठ्यपुस्तक**	**पाठ:5 गजनंदन लाल पहाड़ चढ़े**

1. मौखिक कौशल

1. गजनंदन दिखने में गोल-मटोल हाथी के बच्चे जैसे लगते थे।

2. स्कूल के लड़कों की टोली गोमुख की सैर करने जा रही थी।

3. बच्चों को गोमुख तक स्वामी जी ले जाने वाले थे।

4. गजनंदन के कारण हँसते-हँसते भयानक रास्ते भी आसानी से पार हो गए। इसलिए स्वामी जी ने खुश होकर उसका राशन दोगुना कर दिया।

5. भोलाशंकर की।

2. लिखित कौशल

1. (क) गजनंदन ने अपने जाने के कई लाभ बताए, जो इस प्रकार हैं- पहला लाभ बताया कि मुझे सरदी कम लगती है। दूसरा, जब मेरे साथी थक जाएँगे तब मैं उन्हें हँसा हँसाकर फिर से तरोताजा कर दूँगा। मुझे देखकर उनकी हिम्मत लौट आएगी। तीसरा, कहीं रस्सा बाँधने की जरूरत हुई और वहाँ चट्टान न हुई तो मेरे शरीर से यह काम बेखटके लिया जा सकता है।

(ख) गोमुख की यात्रा के दौरान बच्चों ने भोजपत्र के पेड़, जड़ी बूटियाँ, जंगली भेड़ों का गिरोह, तुत्तराल नाम के जानवर की पूँछ तथा रीछ के पंजों के निशान देखें।

(ग) पर्वतों के बारे में कवि इकबाल ने कहा- 'पर्वत वह सबसे ऊँचा, हमसाया आसमा का; वह संतरी हमारा, वह पासबाँ हमारा और कवि रवींद्रनाथ ने कहा 'अंबर चुंबित भाल हिमालय, शुभ्र तुषार किरीटिनी'।

(घ) गोमुख जाते समय रास्ते में एक झील थी। वह पूरी की पूरी बर्फ़ से ढकी थी। लड़कों ने पत्थरों पर न चलकर झील की बर्फ़ पर चलने का सोचा। भोलाशंकर के पैरों के नीचे की बर्फ़ फट गई और वह नीचे झील में चला गया।

(ङ) गजनंदन ने माचवे को रस्सी भोलाशंकर की ओर फेंकने को कहा और खुद रस्सी का दूसरा छोर अपनी कमर में लपेटकर गड्ढे में कूद गया। रस्सी के सहारे भोलाशंकर किनारे पर आ गया। स्वामी जी ने उसे तुरंत उठा लिया। तब तक गजनंदन भी बाहर आ गया। उसने अपना चमड़े का कोट उतारकर भोलाशंकर को दे दिया। इस प्रकार गजनंदन ने भोलाशंकर की जान बचाई।

(च) गजनंदन ने डाक बंगले की और मुँह किया और जोर से बोला, "मास्टर जी. मैं गजनंदन हाथी का बच्चा, गोमुख से बोल रहा हूँ। हम आज नहीं आ रहे। कल सवेरे आएँगे। सब ठीक है।" दूसरी ओर से हलकी-सी आवाज़ गूँजी, "ठीक है, सुन लिया।" यही गजनंदन का देसी टेलीफ़ोन था।

मूल्यपरक प्रश्न

1. प्रस्तुत पाठ से हमें यही सीख मिलती है कि हमें हँसना चाहिए। हँसना स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है। इसके अलावा हमें मुश्किल घड़ी में दूसरों की सहायता करनी चाहिए।